Title: Need to cancel the allocation of 30 acres land to the Vancha Swami Sansthan and realocate it to the farmer at the side of Yamuna river.

श्री ्सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : माननीय ्सभापति जी, मैं दिल्ली के कि्सानों के ्साथ अन्याय और ब्र्बरता का जो व्यवहार हुआ है, उस ्सम्बन्ध में कहना चाहता हूं। दिल्ली का मा्स्टर प्लान ्बना हुआ है। ्यमुना किनारे की जमीन को मा्स्टर प्लान में ग्रीन ्बैल्ट करार कर छो्ड़ा है कि ्वहां कोई निर्माण का्र्य नहीं होगा। 16 न्वम्बर, 1998 को ्सुप्रीम कोर्ट ने जजमेंट ्भी दि्या था। उ्समें ्स्पट कहा कि जो ्यमुना किनारे डू्ब की ्भूमी है, उ्सका उप्योग निर्माण का्र्य के लिए नहीं कि्या जाएगा। इ्स ्भूमि पर पिछले 30 ्सालों ्से ्वहां के करी्ब 50 कि्सान का्श्त करते थे, क्योंकि ्यह उनको मिली हुई थी। झील-खुरैंजी आफ मिल्क प्रोड्यू्स्र्स कोआपरेटि् व ्सो्साइटी और दिल्ली पीजेंट्स ्सो्साइटी है, जि्समें ्ये छोटे-छोटे कि्सान अपनी रोजी-रोटी कमाते थे। डी.डी.ए. और ्भारती्य जनता पार्टी के राजनेताओं ने मिलकर 23 अप्रैल ्सैंक्ड़ों पुलि्स ्वालों के ्साथ उ्स ्भूमि पर अति्क्रमण कर लि्या और ख्ड़ी फ्सल ्ब्र्बाद कर दी।

श्री वि्जय गो्यल (चांदनी चौक) : ्यह गलत ्बात है।â€¦(व्यवधान)

श्री ्सत्यव्रत चतुर्वेदी : ्वोंचा ्स्वामी ्सं्स्थान को ्यह 30 एक्ड़ जमीन इन लोगों ने मिट्टी के ्भाव 27 करो्ड़ रुपए में ्बेच दी। मेरा अनुरोध है कि इ्स जमीन का आ्बंटन नि्रस्त कि्या जाए और इ्से पुनः उन्हीं कि्सानों को दि्या जाना चाहिए। उनकी रोजी-रोटी नहीं छीनी जानी चाहिए और उनका जो फ्सल का नुक्सान हुआ है उ्सकी ्भी ्भरपाई की जानी चाहिए। ्ये लोग ्ब्ड़े-्ब्ड़े लोगों को फा्यदा पहुंचाना चाहते हैं। कि्सानों के ्साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।